BPY-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2021

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART – I

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all* ***five*** *questions. All questions carry equal marks. Answers to question nos.* ***1*** *and* ***2*** *should be in 400 words each approximately.*

1. Explain the structure of Yajurveda in detail. *20*

OR

Highlight the central teachings of Brihadaranyaka Upanishad. *20*

2. Discuss the importance of the concepts of Brahman and Atman and the means of realization in Mundaka Upanishad. *20*

OR

Give an account of the four main schools of Buddhism. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) Examine the practical teachings of Jainism. *10*

(b) Explain the states of consciousness in Mandukya Upanishad. *10*

(c) Expound Uddalaka's refutation of Vedic Sutras. *10*

(d) Discuss the importance of the age of Mantras and Brahmanas. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) What are the three visualizations of creation in Aitareya Upanishad ? *5*

(b) Explain the vision of life in Isha Upanishad. *5*

(c) Distinguish between Jivan mukti and Videha mukti. *5*

(d) Briefly explain Jaina epistemology. *5*

(e) Describe the Doctrine of Dependent Origination in Buddhism. *5*

(f) What is the importance of Vedangas ? *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Monism *4*

(b) Classification of the Vedas *4*

(c) Nirvana *4*

(d) Ajiva in Jainism *4*

(e) Jivatma in Mundaka Upanishad *4*

(f) Prana and Human Body *4*

(g) Bhuma Vidya *4*

(h) Meaning of Upanishad *4*

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2021

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र
बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन भाग – I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए ।*

---

1. यजुर्वेद की संरचना की विस्तार से व्याख्या कीजिए । *20*

अथवा

बृहदारण्यक उपनिषद् की केन्द्रीय शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए । *20*

2. मुण्डक उपनिषद् में प्रस्तुत ब्रह्म और आत्मा के प्रत्यय तथा आत्मानुभूति के साधनों के महत्त्व पर चर्चा कीजिए । *20*

अथवा

बौद्ध दर्शन के चार मुख्य सम्प्रदायों का विवरण दीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) जैन दर्शन की व्यवहारिक शिक्षाओं का परीक्षण कीजिए । *10*

(ख) माण्डूक्य उपनिषद् में वर्णित चेतना की अवस्थाओं की व्याख्या कीजिए । *10*

(ग) उद्धालक द्वारा किए गए वैदिक सूत्रों के खण्डन पर प्रकाश डालिए । *10*

(घ) मन्त्र एवं ब्रह्माण अवस्था के महत्त्व पर चर्चा कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) ऐतरेय उपनिषद् में वर्णित सृष्टि-निर्माण के तीन प्रत्यक्षीकरण (visualizations) कौन-से हैं ? *5*

(ख) ईशा उपनिषद् में प्रस्तुत जीवन-दृष्टि की व्याख्या कीजिए । *5*

(ग) जीवन मुक्ति एवं विदेह मुक्ति के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए । *5*

(घ) जैन ज्ञानमीमांसा की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए । *5*

(ङ) बौद्ध दर्शन के प्रतीत्यसमुत्पाद के सिद्धांत का वर्णन कीजिए । *5*

(च) वेदांग का क्या महत्त्व है ? *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) एकात्मवाद *4*

(ख) वेदों का वर्गीकरण *4*

(ग) निर्वाण *4*

(घ) जैन दर्शन में अजीव *4*

(ङ) मुण्डक उपनिषद् में जीवात्म *4*

(च) प्राण और मानव शरीर *4*

(छ) भूमा विद्या *4*

(ज) उपनिषद् का अर्थ *4*